| | | | |
|---|---|---|---|
| 1939 | त्रिपुरी (MP) सुभाष चंद्र बोस ने पट्टाभि सीता रमैया को हराया।<br>**Tripuri (Dutch) Subhash Chandra Bose beat Pattabhi Sita Ramaiah.**<br>1580 वोट 1377 वोट<br>**1580 votes 1377 votes**<br>• 1939 में सुभाष चंद्र ने कांग्रेस छोड़ दिया, उनकी जगह अध्यक्ष – राजेन्द्र प्रसाद **Subhash Chandra left Congress in 1939, President in his place - Rajendra Prasad** | | |
| 1940 | रामगढ़<br>**Ramgarh**<br>रामगढ | अबुल कलाम आजाद (1940–45)<br>**abul kalam azad (1940–45)** ✓ | सबसे लम्बे समय तक अध्यक्ष रहे।<br>**Longest serving president.** |
| 1946 | मेरठ **Meerut**<br>मैरठ | **J.B** कृपलानी<br>**JB Kriplani** ✓ | स्वतंत्रता के समय अध्यक्ष<br>**president at the time of independence** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1948 | जयपुर<br>Jaipur<br>जयपुर | पट्टाभिसीता रमैया<br>Pattabhisita<br>Ramaiah ✓ | |

- कांग्रेस के कुल 4 अंग्रेज अध्यक्ष हुए–

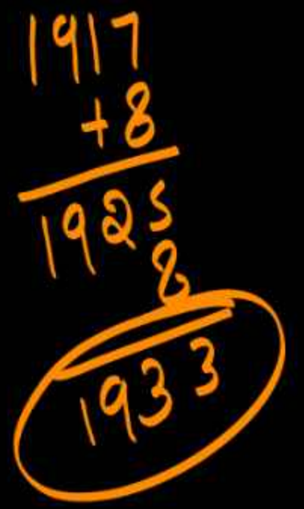
**A total of 4 English presidents of the Congress were**

1. जार्ज यूले (1888)
   **George Yule (1888)**
2. बेडबर्न (1889)
   **Bedburn (1889)**
3. अल्फ्रेड बेब (1894)
   **Alfred Bebb (1894)**
4. हेनरी कॉटन (1904)
   **Henry Cotton (1904)**

- कांग्रेस में 3 महिलाएँ अध्यक्ष बनी

**3 women became president in Congress**

1. एनी बेसेंट
   **Annie Besant**
2. सरोजनी नायडू
   **Sarojini Naidu**
3. नलिनी सेन गुप्त!
   **Nalini Sen Gupt!**



# धार्मिक सुधार आंदोलन

## Religious Reform Movement

- राजा–राम मोहन राय (1772–1833) **Raja-Ram Mohan Roy (1772-1833)**

उपाधि (Title)

- धार्मिक सुधार आंदोलन के अग्रदूत
  **Pioneer of religious reform movement**
- आधुनिक भारत के निर्माता
  **Maker of Modern India**

अल्बर्ट II

- भारतीय पुनर्जागरण का जनक
  **Father of Indian Renaissance**
- भारतीय पत्रकारिता का जनक
  **Father of Indian Journalism**
- भारतीय नवयुग का सितारा
  **Star of New Indian age**

- अतीत और आधुनिक युग के मध्य का सेतु
  - ★ **Bridge between the past and the modern era**
- 1809–1814 तक EIC में काम किया
  - ★ **Worked in EIC from 1809-1814**
- 1809 में एक पुस्तक – 'तुहफात–उल–मुवाहिदीन' लिखी (फारसी)
  - → मूर्ति पूजा का विरोध
  - ★ **Wrote a book in 1809 - 'Tuhfat-ul-Muwahideen' (Persian)**
  - → एकेश्वरवाद के लिए **For monotheism**
- 1815 में आत्मीय सभा का गठन किया।
  - → ईश्वर एक है।
  - ★ **In 1815 Atmiya sabha was formed.**
  - सती प्रथा का विरोध

1807-1814 -> E.I.C में कंपनी कार्य

⇓

जॉन डिग्बी के अधीन कस्टम कलेक्टर के पद पर कार्य किया।

राजा राम मोहन राय

- 1817 में हिन्दू कॉलेज (प्रेसीडेंसी कॉलेज) की स्थापना
- **Establishment of Hindu College (Presidency College) in 1817**
  - कलकत्ता (संस्थापक – डेविड हेयर)
    **Calcutta (Founder - David Hare)**
  - प्रयास : राजाराम मोहनराय
    **Attempt: Rajaram Mohan Roy**
- 1820 में "प्रीसेप्ट ऑफ जीसस" पुस्तक लिखा।
  **Wrote the book "Precept of Jesus" in 1820.**
  - NEW Taxtoment शाखा की कमियाँ लिखी।
  - **Wrote the shortcomings of the new taxtomen branch.**

- 1821 में संवाद कौमुदी : (बंगाली भाषा में – साप्ताहिक) शुरू किया
  **Started Samvad Kaumudi: (in Bengali language - weekly) in 1821**

- "मिरात–उल–अखबार" (फारसी भाषा – साप्ताहिक)
  **Mirat-ul-Akhbar' ( Persian Language-weekly)**
  (1823 के लाइसेंसी Act के तहत जब्त पहला अखबार)
  **The first newspaper seized under the Licensee Act of 1823.)**

- 1825 – वेदांत कॉलेज की स्थापना
  **1825 - Establishment of Vedanta College**

- 1828 – ब्रह्म समाज (20 अगस्त 1828)
  **1828 - Brahmo Samaj (20 August 1828)**
  धार्मिक कुरीतियाँ रोकने के लिए
  **to stop religious evils**

संवाद कौमुदी → यह एक साप्ताहिक पत्रिका थी।

1) किसी भारतीय द्वारा भारत में प्रकाशित, संपादित तथा संचालित प्रथम पत्रिका थी।

- राजा की उपाधि अकबर द्वितीय ने दी
  **Akbar II gave the title of Raja**
  - पेंशन के मामले में **in the case of pension** → इंग्लैण्ड गये।
- 1829 में सती प्रथा पर रोक (राजाराम के प्रयासों से, बैंटिक के समय)
  **Prohibition of sati in 1829 (with the efforts of Rajaram, at the time of Bentinck)**
  - ✓ बंगाल (1829) **Bengal (1829)**
  - ✓ चेन्नई (1830) **Chennai (1830)**
- 1833 में मृत्यु :– ब्रिस्टल (समाधि) **Death in 1833 :- Bristol (Tomb)**
  - (इंग्लैंड) **England**

- इनके मृत्यु के बाद 'ब्रह्म समाज' का नेतृत्व : देवेन्द्रनाथ ठाकुर

**Leadership of 'Brahmo Samaj' after his death: Devendranath Thakur**

अन्य लोग – अॅरविन्द कुमार दत्त

**Others - Arvind Kumar Dutt**

ईश्वर चन्द्र सागर **Ishwar Chandra Sagar**

केशॅव चंन्द्र सेन **Keshav Chandra Sen**

- ब्रह्म समाज के अन्तर्राष्ट्रीयकरण के लिए जाने जाते हैं।

**Known for the internationalization of Brahmo Samaj.**

- केशव चन्द्र सेन को 1865 में ब्रह्म समाज से निकाल दिया।

**Keshav Chandra Sen was expelled from the Brahmo Samaj in 1865.**

ब्रह्म ⇓ बाल विवाह पर रोक

- 1866 में भारतीय ब्रह्म समाज को आदि ब्रह्म समाज नाम कर दिया

**1866, the Indian Brahmo Samaj was renamed as Adi Brahmo Samaj.**

  - देवेन्द्रनाथ ठाकुर **Devendranath Thakur**

- केशव चन्द्र सेन से नाराज लोगों ने साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की।

**People angry with Keshav Chandra Sen founded the Ordinary Brahmo Samaj.**

- 1878 : आनंद मोहन बोस + उमेश चन्द्र दत्ता शिवनाथ शास्त्री

**1878: Anand Mohan Bose +Umesh chandra dattua Shivnath Shastri**

## प्रार्थना समाज

⇓

उद्देश्य :→ प्रार्थना समाज ने दलितों, पिछड़ों, पीड़ितों व अछूतों की दशा में सुधार हेतु दलित जाति मंडल व समाज सेवा संघ की स्थापना की।

## प्रार्थना समाज (1867)

★ संस्थापक : आत्माराम पांडुरंग (महादेव गोविन्द रानाडे +KC सेन + मुम्बई RG भंडारकर)

**Founder - Atmaram Pandurang (Mahadev Govind Ranade + KC Sen + RG Bhandarkar)**

❖ यंग–बंग आंदोलन : (1826–1831)

**Young-Bang Movement: (1826-1831)**

हेनरी विवियन डेरिजियो (हिन्दू कॉलेज में प्रोफेसर)

**Henry Willian Derizio (Professor at Hindu College)**

1809 → जन्म
1831 → मृत्यु

17 वर्ष की आयु में **the age of 17**

(1809–1831) – 22 वर्ष में मौत

**(1809–1831) - died at age 22**

# ईश्वरचन्द्र विद्यासागर (1820–1891)

## Ishwarchandra Vidyasagar (1820-1891)

★ संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य

**Principal of Sanskrit College**

★ पूरा नाम : ईश्वर चन्द्र बंदोपाध्याय

**Full Name: Ishwar Chandra Bandopadhyay**

★ संस्कृत शिक्षा पर ब्राह्मण एकाधिकार के खिलाफ

**Against Brahmin monopoly on Sanskrit education**

★ 1856 – विधवा पुनर्विवाह अधिनियम

**1856 - Widow Remarriage Act**

★ बाल –विवाह को रोकने के लिए कई स्कूल स्थापित किए।

**Established many schools to prevent child marriage.**

★ नैटिव मैरिज एक्ट – 1872 (लड़की की उम्र – कम से कम 14 वर्ष)

**Native Marriage Act - 1872 (girl's age - at least 14 years)**

★ शारदा एक्ट (1929) – बालिका के विवाह की उम्र – 14 वर्ष

**Sharda Act (1929) - Age of marriage of girl - 14 years**

बालक के विवाह की उम्र – 18 वर्ष

**Age of marriage of child - 18 years**

❖ हिन्दू विवाह अधिनियम (1978) – संशोधित – 18 वर्ष लड़की की

**Hindu Marriage Act (1978) – amended – 18 years of girl**

1955 में आया **Came in 1955**

21 वर्ष लड़के की

**21 year old boy**

बहुपत्नी प्रथा का विरोध।

**Opposition to polygamy system.**